This question paper contains **2** printed pages]

Roll No. | | | | | | | | | | | |

S. No. of Question Paper : **1405**

Unique Paper Code : **205621** **D**

Name of the Paper : **भारतीय पत्रकारिता का परिदृश्य और इतिहास**

Name of the Course : **B.A. (H) हिंदी पत्रकारिता एवं जनसंचार**

Semester : **VI**

Duration : **3 Hours** Maximum Marks : **75**

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।)

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।

1. राष्ट्रीय जागरण के संदर्भ में भाषाई प्रेस की भूमिका को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए ।

अथवा

भारतीय पत्रकारिता के आरंभिक दौर में अंग्रेजी प्रेस के स्वरूप को रेखांकित कीजिये । 15

2. हिंदी प्रेस के उदय को किन परिस्थितियों ने संभव बनाया ? तर्कपूर्ण उत्तर दीजिए ।

अथवा

भारतीय संदर्भ में राष्ट्रवाद के वैचारिक स्वरूप को प्रेस ने कैसे निर्धारित किया है ? सोदाहरण स्पष्ट कीजिए । 15

P.T.O.

3. "साहित्यिक पत्रकारिता का मूल स्वर लघु पत्रिकाओं के माध्यम से निर्धारित होता है ।" किन्हीं **दो** हिन्दी साहित्यिक पत्रिकाओं के संदर्भ में इस कथन पर विचार कीजिये ।

अथवा

स्वातंत्र्योत्तर हिंदी प्रेस की स्थिति की विवेचना कीजिए । 15

'ऑनलाइन पत्रकारिता' की विशेषताएँ बताइए ।

अथवा

लोकसंचार के रूप में रंगमंच के परिदृश्य पर प्रकाश डालिए ।

5. किन्हीं **दो** पर टिप्पणी लिखिए :

(क) प्रेस और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता

(ख) लोकप्रिय पत्रिका संस्कृति

(ग) हाइपरटेक्स्ट

(घ) परंपरागत संचार माध्यम ।